यह प्यास है बढ़ी... 120 सेकेंड में टैंकर हो जाता है खाली

खास बातें

- विदिशा में गहराया जल संकट, रोजाना 75 से 80 टैंकरों से बुझ रही प्यास
- करैयाखेड़ा, आचार्य कॉलोनी, जतरापुरा समेत कई वार्डों में पानी के लिए संघर्ष
- पाइप लाइन होने के बावजूद नलों में नहीं पहुंच रहा पानी

नवभारत न्यूज

विदिशा 10 मई, गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में जल संकट विकराल रूप लेता जा रहा है.हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों की प्यास बुझाने के लिए नगर पालिका को रोजाना 75 से 80 पानी के टैंकर भेजने पड़ रहे हैं. कभी कभी यह आंकड़ा बढ़कर 100 भी हो जाता है. इसके बावजूद कई मोहल्लों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है.

शहर के करैयाखेड़ा, आचार्य कॉलोनी, पूरनपुरा, टीलाखेड़ी, वार्ड 34 और जतरापुरा जैसे क्षेत्रों में पानी के लिए लोगों की जद्दोजहद लगातार बढ़ती जा रही है. सबसे अधिक खराब स्थिति करैयाखेड़ा क्षेत्र की बताई जा रही है. यहां के रहवासियों का कहना है कि लोग पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो चुके हैं.पानी के लिए सुबह से ही महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बर्तन लेकर इंतजार करते दिखाई देते हैं. टैंकर आते ही पानी भरने की होड़ मच जाती है और कुछ ही मिनटों में पूरा टैंकर खाली हो जाता है. आचार्य कॉलोनी वार्ड 33 में भी हालात बेहद खराब हैं. यहां लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पाइप लाइन तो डाल दी गई, लेकिन नलों में आज तक नियमित पानी नहीं आया। विकास के बड़े-बड़े दावे किए गए, मगर लोगों को मूलभूत सुविधा तक नहीं मिल सकी. रहवासियों का कहना है कि उन्हें हर दिन पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. कई परिवार निजी टैंकर मंगाने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है. पूरनपुरा, टीलाखेड़ी और वार्ड 34 में भी पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। इन क्षेत्रों में भी नगर पालिका के टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। कई बार टैंकर देरी से पहुंचते हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ जाती है। महिलाओं को घरेलू कामकाज छोड़कर पानी भरने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है.

पानी की तरह बहाया पैसा पर नहीं मिला पानी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में पाइप लाइन बिछाने और जल व्यवस्था सुधारने के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन जमीन पर हालात नहीं बदले. कई इलाकों में पाइप लाइन होने के बावजूद नलों से पानी नहीं आ रहा. इससे विकास के दावे भी खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं. लोगों ने प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि केवल टैंकरों के भरोसे व्यवस्था चलाने के बजाय स्थायी समाधान किया जाए. जल स्रोतों को मजबूत करने, पाइप लाइन व्यवस्था सुधारने और नियमित जल सप्लाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, ताकि शहरवासियों को हर गर्मी में इस परेशानी का सामना न करना पड़े. पाइप लाइन व्यवस्था सुधारने और नियमित जल सप्लाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, ताकि शहरवासियों को हर गर्मी में इस परेशानी का सामना न करना पड़े.

चौकीदारी के लिए बच्चों को किया तैनात

शहर के दूसरी ओर स्थित जतरापुरा क्षेत्र में भी हालात अलग नहीं हैं. यहां भी रोजाना पानी के टैंकर पहुंचाए जा रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि आबादी बढ़ने के बाद भी पानी की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई. गर्मी बढ़ते ही समस्या और गंभीर हो गई है. लोगों का आरोप है कि हर साल गर्मियों में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन स्थायी समाधान निकालने में असफल साबित हुआ है. स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 5 हजार लीटर क्षमता वाला पानी का टैंकर महज 120 सेकेंड में खाली हो जाता है. टैंकर आते ही लोग बाल्टी, ड्रम और कैन लेकर टूट पड़ते हैं. कई बस्तियों में तो बच्चों को खासतौर पर इस काम के लिए तैनात कर दिया गया है कि जैसे ही टैंकर दिखाई दे, वे तुरंत मोहल्ले में सूचना दें. बच्चे गलियों में दौड़कर लोगों को आवाज लगाते हैं कि पानी का टैंकर आ गया है. इसके बाद लोग तेजी से अपने बर्तन लेकर पहुंच जाते हैं.

पीपलखेड़ी गेहूं तुलाई केंद्र पर किसानों का चक्काजाम

- बारदाने की कमी से घंटों ठप्प रही तुलाई
- सैकड़ों ट्रालियां कई दिनों से खड़ी रहीं
- किसानों ने नेशनल हाईवे जाम कर जताया आक्रोश, आश्वासन के बाद खुला रास्ता

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर 10 मई, पीपलखेड़ी गेहूं तुलाई केंद्र पर अव्यवस्थाओं और वारदाने की कमी से परेशान किसानों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा. तुलाई व्यवस्था ठप्प होने और कई दिनों से फसल लेकर इंतजार कर रहे किसानों ने नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर दिया. करीब दो घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित रहा.

किसानों का आरोप है कि तुलाई केंद्र पर पिछले एक सप्ताह से व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं.सैकड़ों ट्रालियां गेहूं से भरी खड़ी हैं, लेकिन पर्याप्त वारदाना उपलब्ध नहीं होने के कारण तुलाई नहीं हो पा रही थी. किसान दिन-रात केंद्र पर लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. किसान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बबलू रघुवंशी ने बताया कि केंद्र पर तुलाई लगभग बंद जैसी स्थिति में पहुंच गई थी. उन्होंने कहा कि करीब छह दिन पहले भी इसी प्रकार की समस्या सामने आई थी. उस समय प्रशासन द्वारा पांच कांटे चालू कर व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया गया था, लेकिन यह व्यवस्था केवल एक दिन ही चल सकी. इसके बाद फिर से केवल एक कांटे से तुलाई शुरू कर दी गई, जिससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गईं. उन्होंने बताया कि किसानों की समस्या की जानकारी किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनीत सिंह दांगी को दी गई. सूचना मिलते ही उन्होंने किसान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को तत्काल मौके पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं सुनने और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समाधान कराने के निर्देश दिए. समस्या लगातार बढ़ने और कई दिनों तक तुलाई शुरू नहीं होने से नाराज किसानों ने रविवार को नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। किसानों का कहना था कि पांच-पांच दिनों से केंद्र पर फसल लेकर खड़े रहने के बावजूद तुलाई नहीं हो रही थी. वारदाने की कमी और प्रशासनिक लापरवाही के कारण किसान आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हो चुके थे.

बारदाना उपलब्ध होने के बाद खुला चक्काजाम

करीब दो घंटे तक चले चक्का जाम की सूचना मिलने पर ग्यारसपुर तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान तत्काल समाधान की मांग पर अड़े रहे. किसानों ने साफ कहा कि जब तक पर्याप्त वारदाना उपलब्ध नहीं कराया जाएगा और तुलाई शुरू नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. बाद में तहसीलदार द्वारा उच्च अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल वारदाना मंगवाने का आश्वासन दिया गया. करीब एक घंटे बाद केंद्र पर वारदाना उपलब्ध कराया गया, जिसके बाद किसानों ने चक्का जाम समाप्त कर दिया और यातायात बहाल हो सका. इस दौरान किसान कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बबलू रघुवंशी, ब्लॉक कांग्रेस ग्यारसपुर अध्यक्ष अरविंद राजपूत, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अटारी खेजड़ा महेंद्र रघुवंशी, पूर्व जनपद सदस्य महेंद्र किरार, किसान कांग्रेस ब्लॉक ग्यारसपुर अध्यक्ष मोहन सिंह लोधी सहित बड़ी संख्या में किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे. किसानों ने चेतावनी दी कि यदि आने वाले दिनों में तुलाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे फिर आंदोलन करने को मजबूर होंगे.

गंजबासौदा-ग्यारसपुर क्षेत्र को मिली ग्रामीण सड़कों की सौगात

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर. क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से गंजबासौदा-ग्यारसपुर विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बड़ी सौगात मिली है. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा सीहोर के भेरूंदा में आयोजित कार्यक्रम से विभिन्न ग्रामीण सड़कों को स्वीकृति प्रदान की गई.कार्यक्रम में ग्यारसपुर एवं आसपास के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी का आभार व्यक्त किया.प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत हैदरगढ़-बेगमगंज रोड से चक्क धामनोद तक 3.600 किमी सड़क निर्माण के लिए लगभग 2 करोड़ 54 लाख रुपये, बरवाई से वनदेवी एवं हरिनगर तक 2.700 किमी सड़क निर्माण हेतु 1 करोड़ 63 लाख रुपये तथा खिरिया जागीर टपरियों से खैहरयाई तक 1.600 किमी सड़क निर्माण के लिए 98 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं.इसके अलावा दैयरपुर रोड से सेमरा इस्तमुराहर तक 650 मीटर सड़क निर्माण के लिए 49 लाख रुपये, मानोरा से धुरेरा तक 3.500 किमी सड़क निर्माण के लिए 2 करोड़ 42 लाख रुपये एवं मानोरा से चक्क मानोरा तक 2.500 किमी सड़क निर्माण के लिए 1 करोड़ 54 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है.

कांग्रेस ने चार विधानसभाओं में मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिले में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं जिला कांग्रेस प्रभारी राजेश रघुवंशी की अनुशंसा पर जिले की चार विधानसभाओं में मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की है.

जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी सुशील शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गंजबासौदा विधानसभा में 17 मंडलम, शमशाबाद विधानसभा में 26 मंडलम, सिरोंज विधानसभा में 20 मंडलम एवं कुरवाई विधानसभा में 34 मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है.उन्होंने बताया कि सभी मंडलम अध्यक्ष एक माह के भीतर अपनी मंडलम कार्यकारिणी का गठन करेंगे तथा बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने का कार्य करेंगे. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा.संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक मंडलम में जिले के एक वरिष्ठ नेता को प्रभारी बनाकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जाएगा. मंडलम कार्यकारिणी में संबंधित क्षेत्र में निवास करने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा.

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 650 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

नवभारत न्यूज

विदिशा. प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान संचालित किया जाता है. इस अभियान के तहत स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार किया जाता है.

कलेक्टर के निर्देशन में विदिशा जिले में 09 मई 2026 को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न चिकित्सालयों में लगभग 650 गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई. साथ ही 180 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान किया गया.हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को एफसीएम एवं आयरन सुक्रोस लगाया गया तथा सुरक्षित मातृत्व एवं सुरक्षित प्रसव संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श भी प्रदान किया गया. अभियान का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना तथा गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है.

एसएसएल जैन लॉ कॉलेज, विदिशा का उद्घाटन समारोह संपन्न

- पूर्व न्यायमूर्तियों की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

विदिशा. एसएसएल जैन लॉ कॉलेज, विदिशा का भव्य उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधिपति श्री रोहित आर्य जी (पूर्व न्यायमूर्ति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय) रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय न्यायाधिपति अभय गोहिल (पूर्व न्यायमूर्ति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय) ने की.

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शेख सलीम जी एवं माननीय कलेक्टर जिला विदिशा अंशुल गुप्ता उपस्थित रहे.महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष सेठ संजय जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि एसएसएल जैन लॉ कॉलेज विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट कानूनी शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें नैतिक रूप से भी सशक्त बनाएगा.एसएसएल जैन एजुकेशन सोसाइटी के सदस्य श्री चक्रवर्ती जैन ने महाविद्यालय का परिचय प्रस्तुत किया. वहीं शासी निकाय सचिव डॉ. संजय उपाध्याय ने अतिथियों का परिचय कराया.मुख्य अतिथि न्यायाधिपति रोहित आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का संकल्प है. उन्होंने महाविद्यालय की आधुनिक सुविधाओं एवं शैक्षणिक वातावरण की सराहना की.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधिपति अभय गोहिल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक सफल अधिवक्ता बनने के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पण आवश्यक है.प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेख सलीम जी ने अपने संबोधन में न्याय प्रक्रिया में व्यावहारिक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने शिक्षा के क्षेत्र में इस नए संस्थान की स्थापना को जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया.समारोह के दौरान सभी अतिथियों ने रिबन काटकर कॉलेज परिसर का अवलोकन किया. अंत में उद्योगपति एवं समाजसेवी अतुल शाह एवं अशोक गोयल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया.

जिला सनाढ्य ब्राह्मण परिषद की बैठक संपन्न

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान, सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं धर्मशाला विकास पर हुई चर्चा

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिला सनाढ्य ब्राह्मण परिषद की बैठक रविवार को समाज के अध्यक्ष पं. दीपक तिवारी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय बजरिया में संपन्न हुई. बैठक में समाज के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक में निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही जिले में निवासरत प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा. साथ ही समाज की विवाह योग्य गरीब कन्याओं के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों का घर-घर जाकर सम्मान करने की योजना बनाई गई.समाज के सचिव पं. अभिनय तिवारी ने धर्मशाला के उत्थान एवं विकास के लिए सामाजिक बंधुओं से अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग देने की अपील की. वहीं समाज के कोषाध्यक्ष पं. शाश्वत शर्मा ने विदिशा सांसद एवं विधायक से मिलकर उनकी निधि से धर्मशाला निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा.अंत में समाज के अध्यक्ष पं. दीपक तिवारी ने वर्तमान समय में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन की मंशा अनुसार समाज के सभी बंधुओं को हेलमेट पहनने का संकल्प दिलाया.आभार प्रदर्शन परिषद के वरिष्ठ सदस्य पं. बृजनंदन दुबे ने किया.बैठक में प्रमुख रूप से अध्यक्ष पं. दीपक तिवारी, उपाध्यक्ष पं. धर्मेंद्र डिमोले आदि उपस्थित रहे.

आयोजन | संस्कृत के वीर निकले संस्कृति की ज्योति जलाने, 14 जिलों से पहुंचे संस्कृत साधक

संस्कृत भारती मध्य भारत प्रांत के प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. एक ओर भीषण गर्मी लोगों को घरों में रुकने के लिए मजबूर कर रही है, वहीं दूसरी ओर भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के संरक्षण का संकल्प लेकर मध्यभारत प्रांत के विभिन्न जिलों से आए संस्कृत साधकों ने नगर में जुटकर यह संदेश दिया कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है. संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत के नौ दिवसीय प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में श्रद्धा, संस्कार और भारतीयता के वातावरण के बीच हुआ.

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत अध्यक्ष डॉ. अशोक भदौरिया ने की. मुख्य अतिथि राजेश तिवारी रहे. अतिथि के रूप में महर्षि अभय कात्यायन उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कथावाचक सुश्री वैष्णवी गोस्वामी ने सहभागिता की.प्रांत संगठन मंत्री डॉ. जागेश्वर पटले ने कहा कि भारत की जड़ें संस्कृत एवं संस्कृति में निहित हैं. यदि जड़ों का सिंचन होगा तो पूरा राष्ट्र संस्कार, ज्ञान और चेतना से पुष्पित-पल्लवित होगा. उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को अपने स्वर्णिम इतिहास, पूर्वजों, परंपराओं और भारतीय वाङ्मय की मूल धारा को जानना चाहिए.डॉ. पटले ने वेद, पुराण, उपनिषद, आरण्यक, रामायण, महाभारत सहित संस्कृत साहित्य की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कालिदास, भास, बाण और माघ जैसे महाकवियों के साहित्य को भारतीय ज्ञान परंपरा का गौरव बताया. उन्होंने कहा कि संस्कृत सीखना केवल भाषा सीखना नहीं, बल्कि भारत को उसकी आत्मा से जोड़ना है.मुख्य अतिथि राजेश तिवारी ने कहा कि यदि भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखना है तो संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाना होगा. उन्होंने संस्कृत को भारतीय सभ्यता की आधारशिला बताते हुए युवाओं से इसे अपनाने का आह्वान किया.विशिष्ट अतिथि वैष्णवी गोस्वामी ने कहा कि संस्कृत देववाणी है, वेदों की भाषा है और हमारी संस्कृति की संरक्षिका है. उन्होंने कहा कि संस्कृत बचेगी तो संस्कृति बचेगी, संस्कृति बचेगी तो भारत की पहचान सुरक्षित रहेगी. उनके उद्बोधन के दौरान पूरा सभागार भारतीय संस्कृति के भावों से ओतप्रोत दिखाई दिया.

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अशोक भदौरिया ने कहा कि भीषण गर्मी में घर छोड़कर आवासीय वर्ग में शामिल होना प्रतिभागियों की संस्कृत और संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि यह वर्ग केवल शिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीयता के पुनर्जागरण का अभियान है.

14 जिलों से पहुंचे संस्कृत साधक, बनेंगे संस्कृत की पहचान

नगर में संस्कृत के उत्थान और संरक्षण के लिए पहली बार आयोजित हो रहे प्रबोधन वर्ग में मध्यभारत प्रांत के 14 जिलों, 22 विकासखंडों एवं 37 स्थानों से कुल 97 प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं. 15 मई तक चलने वाले इस शिविर में 43 महिलाएं एवं 54 पुरुष शामिल हैं. विदिशा, भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, बैतूल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, हरदा, नर्मदापुरम, श्योपुर, गुना और दतिया सहित विभिन्न जिलों की सहभागिता इस वर्ग को व्यापक स्वरूप प्रदान कर रही है. वर्ग में 14 कार्यकर्ता व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि संस्कृत भारती के 5 शिक्षक सरल एवं व्यवहारिक संस्कृत का प्रशिक्षण दे रहे हैं.

नटेरन में रघुवंशी समाज की बैठक सम्पन्न

- श्री राम परमार्थ सेवा ट्रस्ट नटेरन का गठन
- समाज सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

नवभारत न्यूज

नटेरन. रघुवंशी समाज जिला अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नटेरन में उत्साह एवं धार्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ. बैठक की शुरुआत प्रभु श्रीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं तिलक लगाकर जय श्रीराम के जयघोष के साथ की गई.

बैठक में समाज की एकता, सामाजिक उत्थान एवं धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. इसी दौरान सर्वसम्मति से श्री राम परमार्थ सेवा ट्रस्ट नटेरन का गठन किया गया. ट्रस्ट का उद्देश्य समाज सेवा, धार्मिक आयोजन एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करना बताया गया.ट्रस्ट में सर्वसम्मति से भगत सिंह रघुवंशी को अध्यक्ष, रामकृष्ण रघुवंशी को सचिव, प्यार सिंह करैया एवं वीर सिंह रघुवंशी को उपाध्यक्ष, राजाराम रघुवंशी को सह सचिव तथा नीलेश रघुवंशी को कोषाध्यक्ष बनाया गया. वहीं श्री रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट अयोध्या के अध्यक्ष प्रताप सिंह, पूर्व सचिव मोहर सिंह मनोरा एवं प्राण सिंह भोला विशेष रूप से उपस्थित रहे.

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रमों को निरंतर संचालित करने का संकल्प लिया. समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की बात कही.आभार प्रदर्शन नटेरन जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने किया. कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी तैयार की गई.बैठक में बड़ी संख्या में रघुवंशी समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. इस दौरान गोपाल पटेल, बृजेंद्र रघुवंशी, वीर सिंह, पहलवान सिंह, संतोष पटेल, रामसेवक रघुवंशी सहित अन्य समाजजन मौजूद रहे.

राजस्व एवं अंतर्विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

नवभारत न्यूज

विदिशा. कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व एवं अंतर्विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की गई. बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया सहित जिले के समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने राजस्व वसूली कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए भू-राजस्व, परिवर्तित भू-स्वराज, उपकर, शाला उपकर, प्रीमियम, भू-भाटक सहित अन्य मदों में वसूली की प्रगति का जायजा लिया तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष बल देते हुए एसडीएम एवं तहसील न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की. साथ ही साइबर तहसील अंतर्गत नामांतरण, तामीली एवं पटवारी रिपोर्ट की प्रगति का परीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए.